मद संख्या :-6

विषय :- वर्ष 1988-89 के आय व्ययकर विचार ।

प्राधिकरण का गठन वित्तीय वर्ष 1986-87 के प्रथम त्रैमास में हुआ था । इस अल्प अवधि में प्राधिकरण के कार्यकलापों में वृद्धि हुई है । प्राधिकरण द्वारा "शिवलोक" आवासीय योजना हरिद्वार तथा "ऋषिलोक" आवासीय योजना ऋषिकेश का क्रियान्वयन प्रारंभ कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त गंगा प्रदूषण निवारण योजना के अंतर्गत सुलभ शौचालयों का निर्माण कराया जा रहा है। प्राधिकरण की आगामी योजनाओं के लिए भूमि अर्जन के प्रस्ताव तैयार कराए गए हैं । आगामी वित्तीय वर्ष में भूमि अर्जन हेतु 50 लाख रू0 का व्यय अनुमानित है ।

प्राधिकरण की वर्तमान तथा भावी योजनाओं को दृष्टिगत रखते हुए वर्ष 1988-89 का आयव्ययक तैयार किया गया है जो प्राधिकरण के समक्ष अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है ।

Scanned by CamScanner

मद संख्या :- 6 वर्ष 1988-89 के आय-व्ययक पर विचार ।

प्राधिकरण के समक्ष वित्तीय वर्ष 1988-89 का बजट विचारार्थ प्रस्तुत किया गया । प्राधिकरण को बताया गया कि वर्ष 87-88 में राजस्व आय की मद में अनुमानित धनराशि से अधिक की आय हो चुकी है और राजस्व व्यय की मद में अनुमानित धनराशि से कम व्यय हुआ है। वर्ष 87-88 के पूंजीगत आय एंव व्यय के अनुमानित आंकड़ों तथा वास्तविक आंकड़ों में अंतर स्टाफ की कमी के कारण योजनाओं में विलम्ब होना तथा वित्तीय संस्थाओं से ऋण न मिल पाना है ।

वित्तीय वर्ष 88-89 के आय-व्ययक पर विचारोपरांत प्राधिकरण की स्वीकृति प्रदान की गई। बजट का एक दृष्टि में विवरण निम्न प्रकार है:-

	वर्ष 87-88 का अनुमानित	15-2-88 तक वास्तविक	वर्ष 88-89 का प्रस्तावित
राजस्व आय-	10.80	12.81	18.00
पूंजीगत आय-	195.20	49.00	177.00
कुल आय:-	206.00	61.81	195.00
राजस्व व्यय-	13.17	8.37	17.88
पूंजीगत व्यय-	164.90	27.97	164.10
कुल व्यय:-	178.07	36.34	181.98
अंतिम अवशेष:-	27.93	25.47	13.02

8/4/88

Scanned by CamScanner